विश्व जनसंख्या दिवस 2025
भारत के लिए अगला बड़ा कदम: जनगणना 2027

परिचय

- विश्व जनसंख्या दिवस हर साल 11 जुलाई को मनाया जाता है, और इस वर्ष का विषय है, "युवाओं को एक निष्पक्ष और उम्मीद भरी दुनिया में अपने मनचाहे परिवार बनाने के लिए सशक्त बनाना।" भारत में, युवा आबादी एक महत्वपूर्ण संसाधन है, जिसमें 65% लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं। यह संकेत करता है कि भारत का भविष्य एक युवा और सशक्त कार्यबल के रूप में आकार ले रहा है।
- 16 जून 2025 को, गृह मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर 2027 की जनगणना की अधिसूचना जारी की। भारतीय जनगणना भारत के लोगों की विभिन्न विशेषताओं पर आधारित विभिन्न सांख्यिकीय सूचनाओं का सबसे बड़ा एकल स्रोत है।

भारत में जनगणना का इतिहास

- भारत में जनगणना की एक लंबी और समृद्ध परंपरा रही है। पहली बार जनगणना कराने का उल्लेख कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' (321-296 ईसा पूर्व) और बाद में सम्राट अकबर के समय में अब्दुल फजल की रचना 'आइन-ए-अकबरी' में मिलता है।
- भारत में पहली आधुनिक जनगणना 1865 और 1872 के बीच की गई, हालांकि यह सभी इलाकों में एक साथ नहीं हुई थी। पहली समन्वित जनगणना भारत में 1881 में हुई थी।

आज़ादी के बाद का विकास (1951-2011)

- जनगणना गाँव, कस्बे और वार्ड स्तर पर महत्वपूर्ण आँकड़े प्रदान करती है, जैसे आवास की स्थिति, सुविधाएँ, जनसांख्यिकी, धर्म, जाति, भाषा, साक्षरता, आर्थिक गतिविधि, प्रवासन, और प्रजनन क्षमता आदि। जनगणना अधिनियम 1948 और जनगणना नियम 1990 इसके संचालन के लिए कानूनी ढाँचा प्रदान करते हैं।

Technology used and time taken for data processing, 1961-2011

Item/Census Year	1961	1971	1981	1991	2001	2011
Population (in Million)	439	548	683	846	1028	1210
% of field Data Collection	100	100	100	100	100	100
% of Data Digitized	5	15	25	45	100	100
Data capture & Digitization Method	Hand Punch	Key Punch	Offline Data Entry	PC Based Data Entry	Scanning ICR	Scanning ICR
Time Taken for Digitization/ Processing	5-10 Years	5-10 Years	5-10 Years	5-10 Years	3-7 Years	2-8 Years

ICR: Intelligent Character Recognition is used to extract handwritten text from images.
CAPI: Computer-Assisted Personal Interviewing refers to survey data collection by an in-person interviewer.

Source: A Treatise on Indian Censuses Since 1981, Census of India

1981-2011 की जनगणना के प्रमुख बिंदु :

Population Characteristics in India
1981-2011

Census Year	Households (in million)	Population (in million)	Literacy Rate (in %)	Sex Ratio (No. of females per 1000 Males)	Urban Population as share of Total Population (In %)
1981	118	683	43.1	934	23.1
1991	157	846	51.6	926	25.5
2001	194	1028	64.8	933	27.8
2011	250	1210	73.0	943	31.1

Source: A Treatise on Indian Censuses Since 1981, Census of India

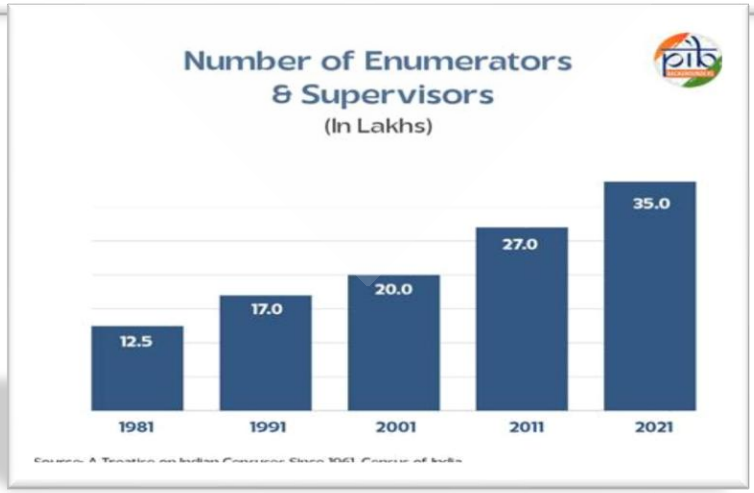

जनगणना 2011: प्रमुख निष्कर्ष और नवाचार

- जनगणना 2011 ने कई पहलुओं में महत्वपूर्ण सुधार और नवाचार किए थे, जो आगे की जनगणनाओं के लिए मार्गदर्शक बने। 2011 की जनगणना ने कई प्रमुख आंकड़े प्रस्तुत किए, जो आज भी सरकार की योजनाओं का आधार बनते हैं:
- • जनसंख्या: 2011 तक भारत की कुल जनसंख्या 1.21 अरब थी, जिसमें 623.2 मिलियन पुरुष और 587.6 मिलियन महिलाएं थीं।

- जनसंख्या वृद्धि: 2001-2011 के दशक में 182 मिलियन की वृद्धि दर्ज की गई।
- साक्षरता दर: भारत की साक्षरता दर 73.0 प्रतिशत थी, जिसमें पुरुषों की साक्षरता दर 80.9% और महिलाओं की 64.6% थी।
- भौगोलिक कवरेज: जनगणना ने 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, 640 जिलों, 7,933 कस्बों, और 6.41 लाख गाँवों में अपने कार्यों को अंजाम दिया।
- बहुभाषी संचालन: जनगणना के लिए 16 भाषाओं में समर्थन था और 5.4 मिलियन अनुदेश पुस्तिकाओं तथा 340 मिलियन जनगणना अनुसूचियों का मुद्रण किया गया।

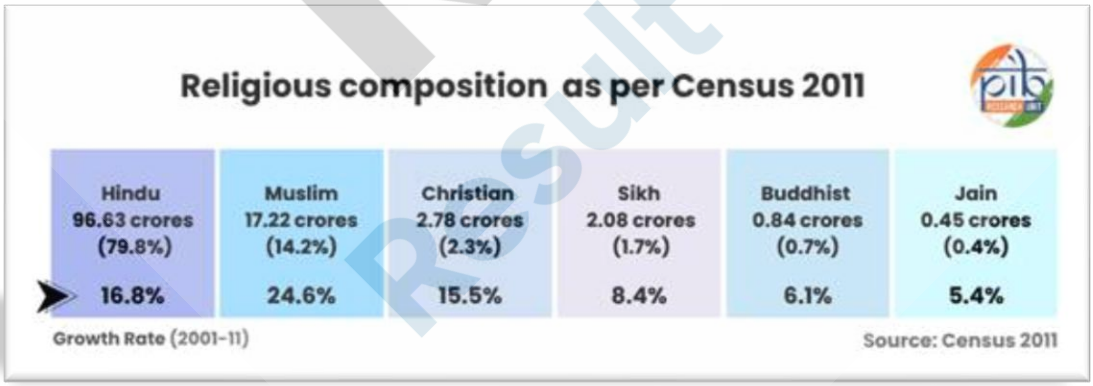

भारत में जनगणना 2027

- भारत में बहुप्रतीक्षित जनगणना 2027 होगी। यह जनगणना 2021 में प्रस्तावित थी, लेकिन कोविड-19 के प्रकोप के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। अब, 2027 में, यह जनगणना पूरी तरह से डिजिटल रूप में आयोजित की जाएगी, जिसमें मोबाइल ऐप और ऑनलाइन स्व-गणना जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। यह भारत की पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना होगी।

मुख्य बातें:

- 1. जाति गणना: जनगणना में पहली बार सभी समुदायों की जाति गणना शामिल की जाएगी, जो आज़ादी के बाद से पहली बार होगा।
- 2. डिजिटल नवाचार: मोबाइल ऐप और ऑनलाइन स्व-गणना के माध्यम से डेटा संग्रहण की प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाया जाएगा।
- 3. 35 लाख कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण: पूरे भारत में 35 लाख क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि जनगणना के कार्य को कुशलता से पूरा किया जा सके।
- 4. केंद्रीय निगरानी पोर्टल: डेटा प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए केंद्रीय निगरानी पोर्टल और कोड निर्देशिका का उपयोग किया जाएगा।
- 5. दो चरणों में कार्य: जनगणना का कार्य दो चरणों में किया जाएगा - पहला चरण (अप्रैल 2026) मकान सूचीकरण और आवास गणना होगा, जबकि दूसरा चरण (जनवरी 2027) जनसंख्या गणना का होगा।

जनगणना के दो चरण

- जनगणना को दो प्रमुख चरणों में विभाजित किया जाएगा:
- 1. मकान सूचीकरण और आवास गणना: इस चरण में घरों, आवासों और सुविधाओं का आंकलन किया जाएगा, और यह अप्रैल 2026 से शुरू होगा।
- 2. जनसंख्या गणना: इसके बाद जनसंख्या के विभिन्न पहलुओं की गणना की जाएगी, जो जनवरी 2027 में शुरू होगी।

जनगणना 2027 के महत्व :

- जनगणना 2027 के आंकड़े न केवल सामाजिक-आर्थिक योजनाओं के लिए सहायक होंगे, बल्कि ये केंद्र और राज्य सरकारों को विकास योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करने में मदद करेंगे। इसके माध्यम से, देश के विभिन्न हिस्सों में आवश्यक संसाधनों का सही तरीके से वितरण किया जाएगा। साथ ही, यह योजना राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर साक्ष्य-आधारित नीतियों के निर्माण को बढ़ावा देगी।

निष्कर्ष

- भारत की जनगणना 2027 एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम है, जो डिजिटल युग में देश की तैयारियों का प्रतीक होगी। जाति गणना का समावेश, डिजिटल डेटा संग्रहण की प्रक्रिया, और स्व-गणना जैसी नवाचारों के साथ, यह जनगणना भारत के विकास के लिए एक मजबूत आधारशिला प्रदान करेगी। इसके साथ ही, यह सुनिश्चित करेगा कि भारत के समाज के हर हिस्से का सटीक प्रतिनिधित्व हो, जिससे समावेशी शासन और समान अवसर की दिशा में भारत एक कदम और आगे बढ़ेगा।